Order or proceeding with Signature of Presiding Officer

Signature of
Parties or
Pleaders where
necessary

नेशनल मेगा लोक अदालत दिनांक 11.02.17 में प्रस्तुत

राज्य द्वारा एडीपीओ।

अभियुक्तगण सहित अधिवक्ता श्री जी०एस० निगम। फरियादी एवं आहत सूरज, शारदा व राजेश उप०। प्रकरण नेशनल लोक अदालत में पेश।

出 KH न्न चौरसिया एवं अभियुक्ता डाकेट हस्ताक्षर कर प्रस अतर्गत धारा 320, 320 आवेदन ताउ तिलकसिंह अनुमिति उसके गया। फरियादी एवं आहत की पहचान श्री बी0आर0 शारदा एवं राजेश की ओर से एक राजीनामा आवेदन पत्र द0प्र0स0 राजीनामा हेतु अनुमिति बाबत् मय राजीनामा अतर्गत धारा 320–2 मय वृहद लोक अदालत आवेदन,पत्र, श्री जी०एस० निगम द्वारा की गयी। फरियादी व आहत नाबालिग सूरज की की पहचान अधिवक्ता किया

उभयपक्षों को सुना। प्रकरण का अवलोकन किया।

प्रकर तिलकसिंह राजीनामा करने 10 नाबिलग सूरज की ओर 40 जाना भय, किया किसी लाभ-लालच के पारस्परिक संबधों को मधुर रखने के आशय से किया है। आहत नाबालिग सूरज की ओर से उसके ताउ तिलकरि बन फरियादी एवं आहत राजेश व शारदा तथा आहत उसके ताउ तिलकसिंह ने अभियुक्तगण से राजीनामा लोभ-लालच के पारस्परिक संबधों को मधुर रखने के अ में सक्षम हैं।

PS S एवं सामाजिक R अभियुक्तगण पर भादवि० की धारा 323, 294, 506, 34 के अधीन दण्डन अभियोग पत्र पेश किया है। उक्त धारा का आरोप न्यायालय की अनुमति से फरिय एवं आहत द्वारा शमनीय है। पीठ सदस्यगण द्वारा प्रकरण में राजीनामा स्वीकार ि जाने की अनुशंसा की गयी। पक्षकारों के मधुर संबंध रखने के आशय एवं सामारि रखते 加 # को ध्यान दर्शित होता के उददेश्य राजीनामा अनुमित आवेदन स्वीकार किया जाना न्यायोचित प्रशासन रखने के आपराधिक शांति बनाये जाने की

王 अभियुक्ता राजीन जाता भारमुक्त किए जाते है। अपराध आरोप से किया जिसका प्रभाव के स्वीकार 18 की दोषमुक्ति होगा। अभियुक्तगण के प्रतिभूति व बधपत्र अभियुक्तगण को धारा 323, 294, 506, 34 भा0द0वि0 के आधार पर उपशामन की अनुमित प्रदान की जाती अतः राजीनामा बाद तस्दीक मय आवेदन 15

अमिलेखागार भेजा नि:शुल्क प्रदाय की जावे। प्रकरण का परिणाम सुसंगत पंजी में दर्जकर पक्षकारों को आदेश की प्रति

प्रकरण में कोई संपत्ति जब्त नहीं।

The state of the s

The less was

THE THE PARTY OF T